Roll No. ..... Printed Pages: 2

PG-20660

TERM END EXAMINATION – 2020
M. A. FINAL YEAR
HINDI
आधुनिक काव्य

[Maximum Marks: **70**

नोट : *समय – विश्वविद्यालय समय सारणी के अनुसार।*

सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं। सभी के अंक समान हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(अ) दोनों ओर प्रेम पलता है।
सखि पतंग भी जलता है हा! दीपक भी जलता है।
सीस हिलाकर दीपक कहता –
'बन्धु, वृथा ही तू क्यों दहता?'
पर पतंग पड़कर ही रहता।
कितनी विह्वलता है।
दोनों ओर प्रेम पलता है।

अथवा

जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत जाओ इसको भूल।।
काम मंगल से मंडित श्रेय।
सर्ग इच्छा का है परिणाम,
तिरस्कृत कर उसको तुम भूल,
बनाते हो असफल भवधाम।।

(ब) 'अबे, सुन बे, गुलाब
भूल मत जो तूने पाई खुशबु, रंग–ओ–आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा कैपीटलिस्ट।'

अथवा

'किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं है।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के
किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।

(स) 'खोजता हूँ पठार.....पहाड़..... समुन्दर
जहाँ मिल सके मुझे
मेरी वह खोयी हुयी
परम अभिव्यक्ति अनिवार
आत्म–संभवा।'

अथवा

'कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास,
कई दिनों तक कानी कुतिया, सोई उनके पास।
कई दिनों तक लगी भीत पर, छिपकलियों की गश्त,
कई दिनों तक चूहों की भी, हालत रही शिकस्त।।'

2. छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'नई कविता का स्वरूप प्रयोगवाद से भिन्न है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि मैथिलीशरण गुप्त जी सच्चे अर्थों में राष्ट्र कवि हैं।

अथवा

प्रसाद जी छायावाद के प्रथम स्तम्भ कवि हैं। समीक्षा कीजिए।

4. ''सूर्यकांत त्रिपाठी निराला'' एक क्रांतिकारी कवि थे। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'हरी घास पर क्षणभर' कविता का सारांश दीजिए।

5. मुक्तिबोध जन–मुक्ति और जन–संघर्ष के प्रबल समर्थक थे। पठित कविताओं के आधार पर बतलाइये।

अथवा

नागार्जुन की काव्य–कला पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

……..XX……